अध्याय 2: न्याय की कुर्सी

विषय-सूची		10 प्रश्नावली · 26 प्रश्न
प्रश्नावली 2.1	बातचीत के लिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 2.2	पाठ से	4 प्रश्न
प्रश्नावली 2.3	सोचिए और लिखिए	5 प्रश्न
प्रश्नावली 2.4	अनुमान और कल्पना	2 प्रश्न
प्रश्नावली 2.5	भाषा की बात	4 प्रश्न
प्रश्नावली 2.6	पाठ से आगे	2 प्रश्न
प्रश्नावली 2.7	पुस्तकालय एवं अन्य स्रोत	2 प्रश्न
प्रश्नावली 2.8	पता लगाकर कीजिए	1 प्रश्न
प्रश्नावली 2.9	बूझो तो जानें	1 प्रश्न
प्रश्नावली 2.10	मेरा न्याय	1 प्रश्न

प्रश्नावली 2.1 — बातचीत के लिए

प्रश्न 1

आपका प्रिय खेल कौन-सा है? आप उसे कैसे खेलते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मेरा प्रिय खेल बैडमिंटन है। हम दो टीमों में बँटकर रैकेट और शटलकॉक से खेलते हैं। एक-दूसरे की तरफ शटल मारते हैं और कोशिश करते हैं कि वह ज़मीन पर न गिरे।

प्रश्न 2

क्या आपने कभी किसी समस्या का समाधान किया है? अपना अनुभव साझा कीजिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: हाँ, एक बार मेरी कक्षा में दो मित्रों के बीच झगड़ा हो गया था। मैंने दोनों की बात ध्यान से सुनी और उन्हें समझाया कि झगड़े से कोई फायदा नहीं होता। दोनों मान गए और फिर दोस्त बन गए।

प्रश्न 3

यदि आप राजा के स्थान पर होते और आपको लड़के के बारे में पता चलता तो आप क्या करते?

उत्तर: नमूना उत्तर: यदि मैं राजा होता, तो उस बुद्धिमान लड़के से मिलता और उसकी प्रशंसा करता। मैं उससे न्याय करने का तरीका सीखता और उसे अपने दरबार में सम्मानित करता।

प्रश्न 4

लड़के के अंदर ऐसे कौन-कौन से गुण होंगे जिनके कारण वह सिंहासन पर बैठ पा रहा था?

उत्तर: लड़के में ईमानदारी, निष्पक्षता, बुद्धिमानी और सत्यनिष्ठा जैसे गुण थे। उसके मन में कोई कपट या लालच नहीं था। इन्हीं कारणों से वह उस चमत्कारी सिंहासन पर बैठ पाता था।

प्रश्नावली 2.2 — पाठ से

प्रश्न 1

राजा को लड़के द्वारा न्याय करने के विषय में कैसे पता चला? (क) लड़के द्वारा की गई शरारतों को सुनकर (ख) लोगों द्वारा लड़के के न्याय की प्रशंसा सुनकर (ग) लड़के द्वारा अपने न्याय की बुराई सुनकर (घ) मंत्रियों द्वारा लड़के की बुद्धि की प्रशंसा सुनकर

उत्तर: ★ (ख) लोगों द्वारा लड़के के न्याय की प्रशंसा सुनकर।

प्रश्न 2

राजा को सबसे अधिक आश्चर्य किस बात से हुआ? (क) बच्चे खेल-खेल में न्याय कर रहे थे। (ख) लोग राजा के दरबार में नहीं आ रहे थे। (ग) सिंहासन पर बैठने वाला लड़का सही न्याय करता था। (घ) स्वयं सिंहासन में ही कोई चमत्कारी शक्ति विद्यमान थी।

उत्तर: ★ (घ) स्वयं सिंहासन में ही कोई चमत्कारी शक्ति विद्यमान थी।

प्रश्न 3

लड़कों को यह खेल इतना अच्छा क्यों लगा कि वे प्रतिदिन इसे खेलने लगे? (क) क्योंकि वे राजा जैसा बनने का आनंद ले रहे थे। (ख) क्योंकि यह अन्य खेलों से अधिक मनोरंजक था। (ग) क्योंकि उन्हें न्याय करने का अनुभव अच्छा लगा। (घ) क्योंकि इस खेल से वे नगर भर में प्रसिद्ध हो गए थे।

उत्तर: ★ (क) क्योंकि वे राजा जैसा बनने का आनंद ले रहे थे। ★ (ख) क्योंकि यह अन्य खेलों से अधिक मनोरंजक था। ★ (ग) क्योंकि उन्हें न्याय करने का अनुभव अच्छा लगा।

प्रश्न 4

राजा ने उपवास और प्रायश्चित क्यों किया? (क) ताकि वह सिंहासन पर बैठने के योग्य बन सके। (ख) क्योंकि उसे अपने कर्मों पर पछतावा था। (ग) क्योंकि मूर्तियों ने उसे ऐसा करने के लिए कहा था। (घ) क्योंकि जनता ने उसे ऐसा करने को कहा था।

उत्तर: ★ (क) ताकि वह सिंहासन पर बैठने के योग्य बन सके। ★ (ग) क्योंकि मूर्तियों ने उसे ऐसा करने के लिए कहा था।

प्रश्नावली 2.3 — सोचिए और लिखिए

प्रश्न 1

सभी लड़के सिंहासन पर बैठ पा रहे थे लेकिन राजा नहीं बैठ पाया। ऐसा क्यों?

उत्तर: सभी लड़के निर्दोष, सरल और सच्चे थे; उनके मन में कोई पाप या छल नहीं था। राजा ने अपने जीवन में चोरी की, झूठ बोला और दूसरों को कष्ट दिया था। वह सिंहासन पर बैठने की पवित्रता नहीं रखता था, इसीलिए वह नहीं बैठ पाया।

प्रश्न 2

क्या राजा को प्रायश्चित करने के बाद सिंहासन पर बैठने का अधिकार मिलना चाहिए था? अपने उत्तर का कारण भी बताइए।

उत्तर: हाँ, राजा को प्रायश्चित के बाद अवसर मिलना चाहिए था, क्योंकि जो व्यक्ति अपनी गलती मानकर सुधार करे, वह परिवर्तन का हकदार होता है। परंतु राजा के मन में अभी भी अहंकार था कि वह सबसे श्रेष्ठ है, इसलिए सिंहासन उसे स्वीकार नहीं कर सका।

प्रश्न 3

दोनों किसानों ने अपने झगड़े के निपटारे के लिए राजा के दरबार में जाने के बजाय लड़के के पास जाने का फैसला क्यों किया?

उत्तर: नगर में उस लड़के की न्याय-बुद्धि की बड़ी चर्चा थी। लोग कहते थे कि उसका हर फैसला सही और निष्पक्ष होता है और कोई भी उससे असंतुष्ट नहीं लौटा। इसीलिए किसानों ने राजदरबार की जगह उसी के पास जाना ठीक समझा।

प्रश्न 4

चौथी मूर्ति सिंहासन के साथ आकाश में क्यों उड़ गई?

उत्तर: चौथी मूर्ति ने देखा कि राजा का मन अभी भी अहंकार से भरा है। उसने सोचा कि राजा अपने को सबसे बड़ा समझता है, इसलिए वह सिंहासन के योग्य नहीं है। ऐसे अयोग्य राजा के पास सिंहासन न रहे, यही सोचकर वह उसे लेकर आकाश में उड़ गई।

प्रश्न 5

इस कहानी को एक नया शीर्षक दीजिए और बताइए कि आपने यह शीर्षक क्यों चुना?

उत्तर: नमूना उत्तर: नया शीर्षक — 'सच्चे मन की परीक्षा'। यह शीर्षक इसलिए उचित है क्योंकि पूरी कहानी में यही दिखाया गया है कि जादुई सिंहासन केवल उसी पर बैठने देता था जिसका मन सच्चा, निर्मल और निष्पाप हो।

प्रश्नावली 2.4 — अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1

कहानी में सिंहासन की मूर्तियाँ उड़कर किसी और जगह चली जाती हैं। वे कहाँ जाती होंगी और वहाँ क्या करती होंगी?

उत्तर: नमूना उत्तर: वे मूर्तियाँ किसी दूसरे राज्य में जाती होंगी जहाँ कोई सच्चा और न्यायप्रिय शासक हो। वहाँ वे उस योग्य राजा की परीक्षा लेती होंगी और सही पाने पर उसे आशीर्वाद देती होंगी।

प्रश्न 2

यदि इस कहानी के अंत में राजा सिंहासन पर बैठने में सफल हो जाता तो क्या होता?

उत्तर: नमूना उत्तर: यदि राजा सिंहासन पर बैठ जाता, तो मूर्तियाँ प्रसन्न होकर उसे आशीर्वाद देतीं। प्रजा को एक न्यायप्रिय शासक मिलता और राज्य में सुख, शांति तथा न्याय का वातावरण बनता।

प्रश्नावली 2.5 — भाषा की बात

प्रश्न 1

नीचे दिए गए वाक्यों में उचित स्थानों पर विराम चिह्न लगाइए — (क) चौथी मूर्ति ने कहा ठहरो जो लड़के इस सिंहासन पर बैठते थे वे भोले भाले थे उनके मन में कलुष नहीं था अगर तुमको विश्वास है कि तुम इस योग्य हो तो इस सिंहासन पर बैठ सकते हो

उत्तर: चौथी मूर्ति ने कहा, "ठहरो! जो लड़के इस सिंहासन पर बैठते थे, वे भोले-भाले थे। उनके मन में कलुष नहीं था। अगर तुमको विश्वास है कि तुम इस योग्य हो, तो इस सिंहासन पर बैठ सकते हो।"

प्रश्न 2

नीचे दिए गए वाक्यों में उचित स्थानों पर विराम चिह्न लगाइए — (ख) राजा बड़ी देर तक सोचता रहा फिर उसने मन ही मन कहा अगर एक लड़का इस पर बैठ सकता है तो भला मैं क्यों नहीं बैठ सकता हूँ मैं राजा हूँ मुझसे ज्यादा धनवान बलवान और बुद्धिमान भला और कौन होगा मैं अवश्य इस सिंहासन पर बैठने योग्य हूँ

उत्तर: राजा बड़ी देर तक सोचता रहा। फिर उसने मन-ही-मन कहा, "अगर एक लड़का इस पर बैठ सकता है, तो भला मैं क्यों नहीं बैठ सकता हूँ? मैं राजा हूँ। मुझसे ज़्यादा धनवान, बलवान और बुद्धिमान भला और कौन होगा? मैं अवश्य इस सिंहासन पर बैठने योग्य हूँ।"

प्रश्न 3

"तीसरी मूर्ति भी उड़ गई।" इस वाक्य के आधार पर बताइए — (क) इस वाक्य में संज्ञा शब्द कौन-सा है? (ख) कौन-सा शब्द इस संज्ञा शब्द के गुण या विशेषता को बता रहा है?

उत्तर: (क) इस वाक्य में संज्ञा शब्द 'मूर्ति' है। (ख) 'तीसरी' शब्द इस संज्ञा की विशेषता बता रहा है — यह विशेषण है जो बताता है कि कौन-सी मूर्ति की बात हो रही है।

प्रश्न 4

कहानी में से चुनकर दिए गए वाक्यों में विशेषण शब्द पहचानकर बताइए — (क) एक दिन लड़कों का एक झुंड वहाँ खेल रहा था। (ख) उज्जैन की प्राचीन और ऐतिहासिक नगरी के बाहर एक लंबा-चौड़ा मैदान था। (ग) इतनी छोटी उम्र में इतनी बुद्धि का होना आश्चर्य की बात है। (घ) राजा ने देखा कि वह पत्थर नहीं, बहुत ही सुंदर सिंहासन था। (ङ) बात ही बात में वहाँ अच्छी-खासी भीड़ जमा हो गई।

उत्तर: (क) विशेषण: एक (ख) विशेषण: प्राचीन, ऐतिहासिक, लंबा-चौड़ा (ग) विशेषण: छोटी, इतनी (घ) विशेषण: सुंदर (ङ) विशेषण: अच्छी-खासी

प्रश्नावली 2.6 — पाठ से आगे

प्रश्न 1

कहानी में गाँव वाले न्याय करवाने या झगड़े सुलझाने बच्चों के पास जाया करते थे। आप अपनी समस्याओं को सुलझाने के लिए किन-किनके पास जाते हैं? आप उन्हीं के पास क्यों जाते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं अपनी समस्याओं के लिए माता-पिता, अध्यापक और बड़े भाई-बहन के पास जाता हूँ। मैं उनके पास इसलिए जाता हूँ क्योंकि वे अनुभवी हैं, मेरी बात ध्यान से सुनते हैं और सही मार्गदर्शन देते हैं।

प्रश्न 2

क्या कभी ऐसा हुआ है कि किसी ने आपके साथ अन्याय किया हो? आपने उस स्थिति का सामना कैसे किया?

उत्तर: नमूना उत्तर: हाँ, एक बार किसी और की गलती के लिए मुझे डाँट पड़ी थी। मैंने शांति से अपनी बात शिक्षक को बताई और सच्चाई सामने आने पर न्याय हो गया। उस अनुभव से मैंने सीखा कि धैर्य और सच्चाई से हर मुश्किल का सामना किया जा सकता है।

प्रश्नावली 2.7 — पुस्तकालय एवं अन्य स्रोत

प्रश्न 1

पुस्तकालय में से 'सिंहासन बत्तीसी' पुस्तक खोजकर पढ़िए और अपनी मनपसंद कहानी कक्षा में सुनाइए।

उत्तर: यह गतिविधि आधारित प्रश्न है। पुस्तकालय से 'सिंहासन बत्तीसी' ढूँढें, उसकी कोई रोचक कहानी पढ़ें और कक्षा में सुनाएँ।

प्रश्न 2

सिंहासन बत्तीसी की तरह पंचतंत्र, हितोपदेश, जातक कथाएँ — इन्हें भी पुस्तकालय से ढूँढकर पढ़िए।

उत्तर: यह गतिविधि आधारित प्रश्न है। पुस्तकालय में जाकर पंचतंत्र, हितोपदेश या जातक कथाएँ खोजें। इनमें जानवरों और राजाओं की शिक्षाप्रद कहानियाँ होती हैं जो आपको बहुत कुछ सिखाएँगी।

प्रश्नावली 2.8 — पता लगाकर कीजिए

प्रश्न 1

नीचे बैठने की विभिन्न वस्तुओं के चित्र दिए गए हैं — चटाई, दरी, मूढ़ा, चारपाई, पीढ़ा, टाट पट्टी। इनका वर्णन कीजिए और बताइए कि आपकी भाषा में इन्हें क्या कहते हैं।

उत्तर: चटाई — घास, बाँस या प्लास्टिक से बनी होती है; भूमि पर बिछाकर बैठते हैं। दरी — मोटे सूती धागों से बनी होती है; उत्सवों में काम आती है। मूढ़ा — घास या सरकंडे से बनी गोल कुर्सी जैसी वस्तु। चारपाई — लकड़ी की चौखट पर रस्सी या बान बुनी होती है; लेटने-बैठने के काम आती है। पीढ़ा — लकड़ी का छोटा नीचा आसन। टाट पट्टी — जूट या टाट से बनी पट्टी।

प्रश्नावली 2.9 — बूझो तो जानें

प्रश्न 1

नीचे भारत की अलग-अलग भाषाओं की पाँच पहेलियाँ दी गई हैं — गोंड (छाया), निमाड़ी (तरबूज), मालवी (मोर), बुंदेली (गन्ना), बघेली (सूर्य)। इन्हें बूझिए।

उत्तर: पाँचों पहेलियों के उत्तर: छाया, तरबूज, मोर, गन्ना, सूर्य। क्या आपके घर या गाँव में भी ऐसी पहेलियाँ बूझी जाती हैं? अपनी भाषा की एक पहेली बनाकर कक्षा में सुनाइए।

प्रश्नावली 2.10 — मेरा न्याय

प्रश्न 1

कक्षा में दो समस्याएँ चुनकर दो समूहों में बाँटिए। नाटक मंचन द्वारा उन समस्याओं का समाधान प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर: यह समूह-गतिविधि है। दो समस्याएँ चुनें जैसे — 'किसी की वस्तु खो गई' या 'दो बच्चे एक खेल के बारे में झगड़ रहे हैं'। समूह में विचार करें, संवाद तैयार करें और न्यायपूर्ण समाधान नाटक के रूप में कक्षा के सामने प्रस्तुत करें।